हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

11 स्लोगन स्पर्धा में विजय रहा प्रथम और भूपेंद्र को दूसरा स्थान मिला

12 21 दिन में 525 किलोमीटर दौड़कर सिकंदर बने ब्रह्मप्रकाश मान

बेरी। मतदान के लिए लाइन में लगे मतदाता अपना वोटर कार्ड दिखाते हुए, मतदान उपरांत ईवीएम जमा करवाते हुए पोलिंग पार्टी व वोट डालने के बाद उंगली पर लगी स्याही का निशान दिखाते हुए युवा वोटर। फोटो : हरिभूमि

पांच चेयरमैन प्रत्याशियों और 39 पार्षदों की किस्मत ईवीएम में बंद, 12 को होगी मतगणना

बेरी नपा चुनाव में 77.9 प्रतिशत हुआ मतदान

- शांतिपूर्वक मतदान होने पर जिला प्रशासन ने ली राहत की सांस
- जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रदीप दहिया ने लिया मतदान केंद्रों का जायजा
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बने स्ट्रांग रूम में रखी गई सभी ईवीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭बेरी

रविवार को नगरपालिका आम चुनाव के तहत बेरी नगर पालिका में अध्यक्ष और पार्षद पदों के लिए शांतिपूर्ण मतदान हुआ। डीसी प्रदीप दहिया और डीसीपी लोगेश कुमार पी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि अति संवेदनशील बूथों पर राज्य चुनाव आयोग के दिशा निर्देश अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया व प्रशासन की तरफ से सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जिसके कारण किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करवाने के लिए प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहा। उन्होंने कहा कि बेरी नगर पालिका चुनाव में मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया कि रविवार को सुबह निर्धारित समय 8 बजे सभी निर्धारित मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू हुआ।

मॉनिटरिंग के लिए राजकीय विद्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम के जरिये मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी गई। बेरी नपा चुनाव में कुल 77.9 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं और समर्थकों में उत्साह दिखाई दिया। केवल बूथ नंबर 14 पर आधे घंटे तक ईवीएम में खराबी के कारण मतदान प्रक्रिया बाधित रही।

बेरी। मतदान केंद्र के बाहर लगी लोगों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

12 मार्च को अध्यक्ष और 13 वार्डों के पार्षदों के लिए होगी मतगणना: रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि मतदान उपरांत पोलिंग पार्टियों द्वारा नियमानुसार ईवीएम जमा करवाई गई। सभी 27 ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया है। पालिका अध्यक्ष और 13 वार्डों के पार्षदों के लिए वोटों की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर स्थित लाला नोबत राय हाल में मतगणना 12 मार्च सुबह 8 बजे से होगी व स्ट्रांग रूम के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी कर दी गई है। वार्ड 4 में पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हो चुका है।

बेरी। नपा चुनाव के चलते मतदान केंद्रों का जायजा लेते डीसी प्रदीप दहिया। फोटो : हरिभूमि

प्रधान और पार्षद पद को लेकर हुए चुनाव में बूथ वाइज मतदान की रिपोर्ट

बूथ नंबर -1 = 81.5%
बूथ नंबर -2 = 76.17%
बूथ नंबर -3 = 77.74%
बूथ नंबर -4 = 76.27%
बूथ नंबर -5 = 73.47%
बूथ नंबर -6 = 76.6%
बूथ नंबर -7 = 80.1%
बूथ नंबर -8 = 74.12%
बूथ नंबर -9 = 79.55%
बूथ नंबर -10 = 66.6%
बूथ नंबर -11 = 78.16%
बूथ नंबर -12 = 81.01%
बूथ नंबर -13 = 84.62%
बूथ नंबर -14 = 85.64%
बेरी नगर पालिका में कुल मतदाता = 13867
कुल मतदान पोल हुआ = 77.9 प्रतिशत
(मतदान प्रतिशत शाम 7 बजे तक राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड जानकारी के अनुसार)

बेरी। मतदान करने के उपरांत उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए महिलाएं।

बेरी। बुजुर्ग महिला को मत का प्रयोग करने के लिए ले जाते हुए परिजन।

बेरी। एक मतदान केंद्र पर कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करती महिलाएं।

महिलाओं ने उत्साह से किया मतदान, दिखी लंबी कतारें

बेरी। मतदान को लेकर महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। अधिकांश बूथों पर पुरूषों की अपेक्षाएं महिलाओं की कतारें लंबी दिखाई दी। मतदान करने के लिए सुबह के आठ बजे से ही मतदान के लिए युवतियां और महिलाएं अपने परिजनों के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंची। बेशक घूंघट की ओट की परंपरा का निर्वहन आज भी होता दिखाई दिया। महिलाएं घूंघट किए हुए वोट डालने के लाइन मे लगी रही। इसके अलावा बुजुर्ग महिलाओं और दिव्यांगजनों में भी वोट डालने का उत्साह कम नहीं था। जो बुजुर्ग महिलाएं अकेले आने में असमर्थ थी उन्हें मतदान केंद्र तक लाने के लिए उनके परिजन स्कूटर, बाइक या अन्य वाहन के सहारे पहुंचे। इन महिलाओं से बात की गई तो उनका कहना रहा कि मतदान के दिन वोट डालना जरूरी है।

बेरी। मतदान केंद्र के बाहर तैनात पुलिसकर्मी।

बेरी। पहचान पत्र की जांच करते पुलिसकर्मी।

बेरी। उंगली पर स्याही लगाता कर्मी।

बेरी। मतदान केंद्रों की निगरानी करती रिटर्निंग अधिकारी रेणुका नांदल व वोटर स्लिप बनवाती महिलाएं।

बाजार रहे बेजार, बसों की आवाजाही दिखी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭बेरी

रविवार को नगरपालिका आम चुनाव के तहत बेरी नगर पालिका में अध्यक्ष और पार्षद पदों के लिए हुए मतदान का असर बाजार में भी देखने का मिला। सुबह के समय जहां बाजार पूर्णतया बंद रहा, वहीं दोपहर बाद बाजार में हल्की-फुल्की रौनक आयी और बाजार में पांच से दस प्रतिशत दुकानें खुली दिखाई दी। जिससे कामकाज प्रभावित रहा और दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर बैठ चुनावी हलचल पर बातचीत कर अपना समय व्यतीत किया। दुकानदारों का कहना रहा कि सुबह अपने परिवार सहित अपने मत का प्रयोग किया है और अब दुकान पर कामकाज के लिए आए है। हालांकि सुबह से बाजार बंद रहने के कारण बाजार में ग्राहक नहीं है। दुकानदारों का कहना रहा है कि पांच साल में एक बार अपने मत का प्रयोग करने का समय आता है। अपने मत का प्रयोग कर हम अपने योग्य उम्मीदवार का चुनाव कर सकते है और सभ्य समाज के निर्माण करने में अपनी भूमिका निभा सकते है। इसके अलावा बसों की आवाजाही भी कम दिखाई दी। बस स्टैंड परिसर में भी सन्नाटा सा पसरा दिखाई दिया। बस स्टैंड परिसर में भी अन्य दिनों की अपेक्षा लोग काफी कम दिखाई दिए।

बेरी। बस स्टैंड परिसर का दृश्य।

लोन दिलाने के नाम पर महिला से ठगे हजारों रुपये

बहादुरगढ़। लाइनपार की निवासी एक महिला के साथ लोन के नाम पर धोखाधड़ी की वारदात हो गई। लोन तो मिला नहीं, महिला अपने हजारों रुपये गंवा बैठी। इस संबंध में महिला ने अपने एक परिचित सहित दो लोगों पर आरोप लगाया है। आरोपों के आधार पर लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता महिला आंगनबाड़ी में हेल्पर है। महिला का कहना है कि उसे लोन की जरूरत थी। एक दिन झज्जर रोड पर सैय्यद के निकट रहने वाला किशोर हमारे पास आया था। लोन के संबंध में बात हुई तो उसने अपने एक जानकार का नंबर दिया और कहा कि यह लोन दिला देगा। फिर उस नंबर पर कॉल की तो कॉल रिसीव करने वाले ने अपना नाम संजय बताया। संजय ने लोन के नाम पर रुपयों की डिमांड की और बार कोड भेजा। गत 12 फरवरी को मैंने 36 हजार 600 रुपये तथा अगले दिन 24 हजार हजार 600 रुपये भेज दिए। इसके बाद वह व्यक्ति और रुपयों की डिमांड करने लगा लेकिन मैंने नहीं दिए। इसके बाद उसने रिस्पांस देना बंद कर दिया। एक दिन कॉल की तो अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगा। इस बारे में किशोर से बात की तो वह कहने लगा कि तुमने मेरे खाते में रुपये नहीं डाले हैं। जिसके पास डाले हैं, उससे वापस लो। दोनों ने मिलकर मेरे साथ धोखाधड़ी से हजारों रुपये की ठगी की है। उधर, पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही मामले की असल हकीकत सामने आ पाएगी।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

बेरी-बहादुरगढ़ मार्ग पर गांव मातन में ट्रैक्टर डंपर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मृतक की पहचान रमेश के रूप में हुई है। गांव मातन का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, शनिवार को रमेश अपनी पत्नी के साथ कहीं जा रहा था। जब गांव में एक स्टॉक के निकट पहुंचा तो पीछे से रफ्तार में एक ट्रैक्टर डंपर आया। वह उस ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। उसे गंभीर चोट आई। उसकी पत्नी ने राहगीरों की मदद से उसको संभाला और अस्पताल ले गए। सरकारी अस्पताल में रमेश को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

परिजनों के बयान लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। पुलिस को दी शिकायत में निर्मला ने कहा है कि ट्रैक्टर तीव्र गति में था। चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ और मेरे पति की जान चली गई। इसके बाद मौके से आरोपी फरार हो गया। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है। बता दें कि शुक्रवार को भी इस मार्ग पर गांव टांडाहेड़ी में एक्सीडेंट हुआ था। एक ट्रैक्टर ने बाइक सवार को रौंद दिया था।

क्रोधित गाय ने राहगीर को पटका, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

बेसहारा गोवंश के कारण बहादुरगढ़ में एक और बड़ी घटना हो गई। यहां माल गोदाम के निकट एक एसपीओ और राहगीर को गाय ने टक्कर मार दी। इस घटना में एसपीओ को हलकी चोट आई, वहीं राहगीर की जान चली गई। जीआरपी बहादुरगढ़ ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

- गाय के हमले में एक एसपीओ भी हुआ घायल

मृतक की पहचान करीब 46 वर्षीय भिखारी सिंह के रूप में हुई है। भिखारी सिंह मूल रूप से सीतामढ़ी से था और यहां छोटूराम नगर में रह रहा था। जानकारी के अनुसार, शनिवार की देर शाम को वह यहां माल गोदाम से होते हुए गुजर रहा था। जब जीआपी थाने के निकट पहुंचा तो यहां एक क्रोधित गाय ने उसको उठाकर पटक दिया और खुरों से वार कर बुरी तरह से घाल कर दिया। वहीं, यहां से गुजर रहा एसपीओ धन सिंह भी गोवंश की चपेट में आ गया। सूचना पाकर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। जैसे-तैसे गाय को वहां से दूर कर दोनों को संभाला गया। एसपीओ का तो बचाव हो गया लेकिन भिखारी सिंह की हालत गंभीर थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां मृत घोषित कर दिया गया। भिखारी सिंह तीन बच्चों का पिता था।

आसपास के लोगों की माने तो हाल ही में यहां एक गाय ने बच्चे ने जन्म दिया था। बच्चे की मौत के बाद से उसका स्वभाव प्रभावित हो गया था। संभवतः इसी वजह से क्रोधित अवस्था में गाय ने लोगों पर हमला किया। उधर, जीआरपी ने रविवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा दिया। बता दें कि बहादुरगढ़ में बड़ी तादाद में बेसहारा गोवंश हैं। इन बेसहारा गोवंश के कारण काफी हादसे हो चुके हैं। कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं तो बड़ी तादाद में लोगों के घायल होने के मामले सामने आए हैं।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से श्रमिक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव दुजाना के नजदीक ट्रैक्टर के नीचे दबने से एक श्रमिक की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहगीरों की सहायता से उसे बाहर निकालते हुए उपचार के लिए रोहतक पीजीआई भिजवाया। मृतक की पहचान जींद जिले के बडोदा गांव निवासी गुरुदेव पुत्र कृष्ण के तौर पर हुई है। मृतक की पत्नी मुकेश ने बताया कि उसका पति गुरुदेव बीती एक मार्च को चंद्रलोक बस्ती निवासी कृपाल के साथ ट्रैक्टर पर बैठकर तूड़ा उतारने के लिए रेवाड़ी गया था। रात को उसे अपने पति के एक्सीडेंट की सूचना मिली। जब वह परिवार के सदस्यों के साथ रविवार को रोहतक पीजीआई पहुंची तो उसे पता चला कि उसके पति की एक्सीडेंट में आई गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई है। पीड़िता का कहना है कि ट्रैक्टर चालक कृपाल द्वारा तेज रफ्तार व लापरवाही से ट्रैक्टर चलाने के कारण यह हादसा हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

Give Your Child A Right Start...
FOUNDATION PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE, DELHI - AFFL. NO. 531762

FEATURING
- Smart Classes
- Air Conditioned Class Rooms
- CCTV Surveillance
- Hydration Station: R.O. Water
- Hygienic Environment
- Learning With Comfort
- Advanced Lab Facilities
- Yoga Classes

ENROLL NOW

ADMISSION OPEN-2025-26

STREAMS AVAILABLE
- SCIENCE
- COMMERCE
- HUMANITIES

SPORTS FACILITIES AVAILABLE

FPS provides the facilities of different types of indoor and outdoor games like Taekwondo, Basket Ball, Skating, Badminton, Cricket, Kabaddi, Football TT, Carrom board, Chess etc.

Walk-in Interview
On Saturday, 8th March 2025
Timings: – 9 a.m. Onwards

PGT- Physics , Chemistry, Biology, History, Political Science, Computer science, Mathematics, Accountancy, Business Studies, Economics, English, Hindi Yoga, Painting, Physical Education

TGT- Social Science, English, Hindi , Mathematics, Science, Computer Science, Sanskrit

PRT- All Subjects, PRT Mother teacher, NTT, Librarian, Sports Teacher, Receptionist, Music and Dance Teacher

JEE COACHING
11th & 12th Class

Managed by: Kuldeep Singh Zaildar Educational & Welfare Society

foundationpublicschoolb.garh@gmail.com foundationpublic
Near Ram Gas Agency, Jhajjar Road, Bahadurgarh (Hr.) 124507
Ph. 8307856950, 9671954747

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

प तिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

झज्जर। ट्रेनिंग में मौजूद आशा वर्करों को संबोधित करते हुए वक्ता।

बाल विवाह निषेध अधिनियम की दी जानकारी

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी तथा एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीघल में आशा वर्करों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के संबंध में ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग के दौरान एमडीडी ऑफ इंडिया से प्रशिक्षक एवं जिला समन्वयक मनोज कुमार ने आशा वर्करों को बाल विवाह निषेध अधिनियम संबंधी जानकारी देते हुए उन्हें बाल विवाह की रोकथाम व किसी भी बालविवाह में शामिल न होने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा ग्राम स्तरीय बाल कल्याण सुरक्षा समिति से भी आह्वान किया गया कि वे आशा वर्करों को मीटिंग में भाग लेने के लिए प्रेरित करें ताकि बाल विवाह की निगरानी की जा सके।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराते हुए ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य जांच शिविर में लोगों का जांचा स्वास्थ्य

झज्जर। रविवार को डॉक्टर संजीत मेमोरियल मल्टीस्पेशलिट हॉस्पिटल द्वारा क्षेत्र के गांव मारौत में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जांच कराने वाले लोगों को जहां कई प्रकार के टेस्ट मुफ्त किए गए वहीं जरुरतमंदों को दवाइयां भी वितरित की गई। शिविर में लोगों का बीपी, शूगर, टाइफाइड आदि टेस्ट किए गए। शिविर का शुभारंभ पैरामाउंट संस्था के चेयमैन मंजीत फौगाट और निदेशक इंद्रजीत फौगाट द्वारा किया गया। संस्था द्वारा यह हॉस्पिटल केवल समाज सेवा के लिए खोला गया है। हॉस्पिटल में सभी प्रकार की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है।

योग व ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं छात्राएं

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में मेडिटेशन के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकास विषय पर चल रही तीन दिवसीय मेडिटेशन वर्कशॉप संपन्न हो गई। आईक्यूएसी, शारीरिक शिक्षा तथा मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के अंतिम दिन की शुरुआत प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा ने प्रमुख वक्ता सुनील दहिया तथा विक्रम सिंह सैनी के साथ की। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करने उपरांत मुख्य वक्ता सुनील दहिया ने छात्राओं व शिक्षकों को ध्यान की क्रिया कराई। छात्राओं के साथ अपने विचार भी सांझा किए। प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे योग और ध्यान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम में मंच संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर तितिक्षा रोहिल्ला ने किया।

छारा कॉलेज में संपन्न हुआ सांस्कृतिक उत्सव ''रंग बहार''

स्लोगन स्पर्धा में विजय रहा प्रथम व भूपेंद्र को दूसरा स्थान मिला

■ विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। छात्राओं द्वारा बनाई रंगोली देखते कॉलेज के स्टॉफ सदस्य, विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करती डॉ. अनीता दलाल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

गांव छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम /"रंग बहार/" का समापन हो गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम कार्यकारी प्रिंसिपल डॉ. अनीता दलाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। सांस्कृतिक आयोजन कमेटी की इंचार्ज मंजू मलिक के देखरेख में दूसरे दिन मेहंदी, स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग ओर रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। इन स्पर्धाओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में चेतना ने प्रथम, मुस्कान ने दूसरा तथा राधिका ने तीसरा स्थान पाया। मेहंदी प्रतियोगिता में किरण ने प्रथम, तुषा ने दूसरा, सिमरन ने तीसरा स्थान पाया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भूपेंद्र ने प्रथम, अजय राठौर ने दूसरा और सारिका ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्लोगन प्रतियोगिता में विजय ने प्रथम, भूपेंद्र ने दूसरा और अंकुश ने तीसरा स्थान पाया। प्रतियोगिताओं में गीतांजलि, मोनिका और डॉ अश्वनी कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ संजय देशवाल, देवेंद्र, डॉ मनोज कुमार, डॉ अश्वनी कुमार, मोहित, मोनिका, डॉ जयंत, ज्योति, डॉ ललिता, अनिल, गीतांजलि, श्वेता, मंजू मलिक, विजय, लोकेश, प्रवीन आदि ने अपनी अहम भूमिका अदा की। महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा /"समाज एवं महिला अधिकार/" विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन करवाया गया। कार्यक्रम में पत्रकार रवींद्र राठी ने महिला सशक्तिकरण, समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका के बारे में व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के विकास में अपना योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यकारी प्रिंसिपल डॉ अनीता दलाल ने कहा कि महिलाओं को समानता, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के समान अधिकार मिलने चाहिए। जब महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं, तब समाज में वास्तविक बदलाव संभव होता है। हम सभी मिलकर महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए प्रयासरत रहें और एक समान, सुरक्षित और सशक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाएं।

झज्जर। जिला स्तरीय खो-खो टीम के चयनित खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

जिलास्तरीय खो-खो टीम का चयन

झज्जर। रविवार को दुर्गा पब्लिक स्कूल महराणा में जिले की महिला एवं पुरुष खो-खो टीम का चयन किया गया। जिला खो-खो संघ के प्रधान राहुल कुमार बूरा और महासचिव सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि चयनित टीम अगामी 8 और 9 मार्च को होने वाली 44वीं राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। इस मौके पर दुर्गा पब्लिक स्कूल महराणा के संचालक रामचन्द्र शर्मा एवं उपाध्यक्ष दीपक कुमार, ढिल्लू पहलवान, दिनेश गौतम, उदयवीर पूनिया, कोच नेहा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। मासिक वैदिक यज्ञ कार्यक्रम के दौरान मौजूद आर्यजन। फोटो :हरिभूमि

अच्छे संस्कारों से होता है अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण

झज्जर। अच्छे संस्कारों से ही अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है। हर व्यक्ति को अपनी संतान के लिए वेदों में उल्लेखित सभी सोलह संस्कारों का निर्माण करना चाहिए ताकि वे बड़े होकर एक अच्छे व्यक्तित्व और समाज का निर्माण कर सकें। यह बात झज्जर गुरुकुल के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल ने रविवार को आर्य समाज में आयोजित मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम के दौरान आर्यजनो को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने लिए एक अच्छे मकान का निर्माण करने से पहले उसके लिए नक्शा तैयार कराते है और मकान को सुंदर व सुविधायुक्त बनाने के लिए हर अच्छी वस्तुएं लगाने का प्रयास करते है, उसी प्रकार अपनी संतान को अच्छे नक्शे-कदम पर चलाने के लिए अच्छे संस्कार देना भी आवश्यक है। बच्चों को अन्य संस्कारों की भांति यज्ञ संस्कार भी देना चाहिए। मासिक वैदिक यज्ञ के दौरान आर्य समाज के पुरोहित प्रदीप शास्त्री ने वैदिक यज्ञ कराया। इसके उपरांत भजनोपदेशक आर्य दलीप सिंह, ब्रह्मचारी इंद्रजीत व महाशय रतिराम ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर लाला प्रकाशवीर आर्य, डॉक्टर गौतम आर्य, राजीव राठी, आचार्य शतक्रतु, जितेंद्र बरानी, आत्मप्रकाश चुग सहित अन्य भी मौजूद रहे।

नालों के ओवरफ्लो से परेशानी

■ स्थानीय निवासियों और राहगीरों को परेशानी हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गंदगी से ओवरफ्लो नाली। फोटो :हरिभूमि

शहर के मांडोठी बाजार में नाले जाम व नाली ओवरफ्लो की समस्या गहराई हुई है। अक्सर गंदा पानी नालों से बाहर निकलकर सड़क पर फैल जाता है। इससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

दरअसल, यहां पिछले काफी समय से यह समस्या गहराई हुई है। झज्जर चुंगी से गांधी चौक तक नाले, नालियों की हालत खराब है। यहां चुंगी के पास पार्क ओवरफ्लो है और गंदगी से अटा पड़ा है। आसपास सड़क पर कीचड़ के हालात बने रहते हैं। वहीं आगे चलकर दोनों तरफ की नालियां भी गंदगी से भरी रहती हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वैसे तो सफाई कर्मचारी आते हैं। सफाई भी करते हैं लेकिन नालियों की निकासी व्यवस्था ही दुरुस्त नहीं है तो वे भी क्या करें। नाले से गंदा पानी ठीक से आगे बढ़ता ही नहीं है। नालियों की निकासी दुरुस्त न होने के कारण दुर्गंध फैली रहती है। थोड़ी सी बरसात होते ही यहां जलभराव हो जाता है और कई घंटे तक सड़क पर पानी भरा रहता है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों को इन नाले, नालियों का निरीक्षण करना चाहिए। सुधार की बेहद आवश्यकता है। इनका लेवल ठीक कराया जाए और सही तरीके से मुख्य नाले से इन्हें जोड़ा जाए ताकि गंदे पानी की निकासी सुचारू हो सके।

छात्राओं ने जूते बनते देखे

■ छात्राओं ने रुचि के अनुसार रचनात्मक कार्य या अच्छे स्टार्टअप कार्यक्रम से जुड़कर स्वरोजगार शुरू करने का रास्ता खोजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। फैक्ट्री में जूते बनते देखती छात्राएं व प्रिंसिपल। फोटो :हरिभूमि

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय के कॉमर्स विभाग की छात्राओं ने कॉम्बैट फुटवियर कंपनी में इंडस्ट्रियल भ्रमण किया। छात्राओं ने जूता फैक्ट्री में उत्पादन की अलग-अलग इकाइयों की जानकारी प्राप्त की। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि वर्तमान औद्योगिक युग में छात्राओं को कौशल शिक्षा रोजगार के ज्यादा अवसर प्रदान करती है। शैक्षिणक शिक्षा के साथ-साथ छात्राएं खुद को सक्षम बनाने के लिए स्किल डेवलपमेंट के कार्य को जाने व समझे। औद्योगिक विकास भारत को अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सफल बना सकते हैं। कॉम्बैट फुटवियर कंपनी के डायरेक्टर पवन जैन ने स्वयं कंपनी के सभी विभागों की जानकारी छात्राओं को दी। वाणिज्य विभागाध्यक्ष सुजाता वर्मा ने कहा कि छात्राओं ने रुचि के अनुसार रचनात्मक कार्य या अच्छे स्टार्टअप कार्यक्रम से जुड़कर स्वरोजगार शुरू करने का रास्ता खोजा। भ्रमण में सीमा व प्रिया ने अहम भूमिका निभाई।

पैदल निशान यात्रा लेकर खाटू श्याम के लिए रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

झज्जर। फाल्गुन मेले में शामिल होने के लिए जय बाबा लखदातार मित्र मंडल के सदस्य स्थानीय अंबेडकर चौक स्थित श्री खाटू श्याम अखंड ज्योति मंदिर से पैदल निशान यात्रा के लिए रवाना हुए। मंडल प्रधान मुकेश सैनी, सदस्य जितेंद्र, हरप्रीत, अमित, कपिल, अरुण, जतिन, योगेश, मोहित, तुषार, विक्की, मनी, सुमित, विकास कटारिया ने बताया कि यह उनके मंडल की 15वीं पैदल निशान यात्रा है। यात्रा से पूर्व मंडल सदस्यों द्वारा मंदिर परिसर में एकत्रित होकर बाबा खाटूश्याम की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालु धर्मेन्द्र बसवाल ने बताया कि मंडल द्वारा आगामी 12 अप्रैल को श्रीश्याम वार्षिकोत्सव एवं भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

झज्जर। खाटू जाने से पहले मंदिर परिसर में मौजूद जय बाबा लखदातार मित्र मंडल के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

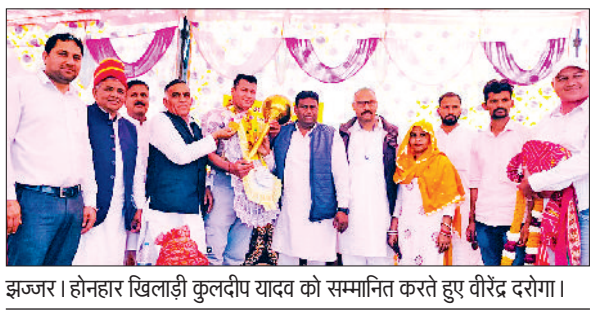

झज्जर। होनहार खिलाड़ी कुलदीप यादव को सम्मानित करते हुए वीरेंद्र दरोगा।

शॉटपुट में गोल्ड मेडल जीतने वाले जवान सम्मानित

झज्जर। नेशनल पैराचैंपियनशिप की शॉटपुट स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले चढ़वाना गांव निवासी कुलदीप यादव को गांव पहुंचने पर सम्मानित किया गया। कुलदीप यादव के पिता पूर्व सरपंच रामचंद्र ने बताया कि उसके पुत्र ने यह पदक 23वीं नेशनल पैराचैंपियनशिप में हासिल किया है। उन्होंने बताया कि कुलदीप ने पैरामिलिट्री फोर्स की तरफ से हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया। कुलदीप सीआरपीएफ में कार्यरत है। कुलदीप यादव को छुछकवास से गाजे-बाजे के साथ समारोह स्थल तक ले जाया गया। यहां जिला पार्षद वीरभान उर्फ बद्दू पहलवान ने गदा देकर कुलदीप यादव को सम्मानित किया। इनके अलावा यादव महासभा झज्जर के पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा, पूर्व प्राचार्य एचएस यादव, पूर्व उपप्रधान संजय यादव ने भी स्मृति चिन्ह देकर कुलदीप का सम्मान किया। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य श्योपाल यादव, छुछकवास सरपंच महावीर यादव, अजीत सरपंच, धर्मवीर यादव, मास्टर कुलदीप, मुकेश यादव, बलजीत यादव, दर्शन शर्मा, बसंत कुमार, बलबीर मास्टर, महेंद्र मास्टर, सतेंद्र, मास्टर चिरंजीलाल, पूर्व सरपंच हुकम सिंह, डॉक्टर मनोज यादव, मंगल मास्टर, बबली, सहित अन्य भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत पर विशेष व्याख्यान दिया

अंजलि व अनुज को मिला बेस्ट वॉलिंटियर का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। एनएसएस शिविर के समापन अवसर पर शिक्षकों के साथ मौजूद स्वयंसेवक। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न हो गया। शिविर के समापन अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर विजय सिंह ने स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के स्तंभों एवं आधारभूत सरंचना पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे कड़ी मेहनत व लगन द्वारा सफलता प्राप्त हासिल करते हुए अपने गुरुजनों व अभिभावकों का नाम रोशन करें। डॉक्टर प्रियंका ने स्वयंसेवकों को डिजिटल लिट्रेसी बारे जागरुक किया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा एकल नृत्य, समूह नृत्य, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, एकांकी, लघु नाटिका आदि की प्रस्तुति दी गई। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी पिंकी रानी ने बताया कि शिविर के दौरान लड़कियों में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा अंजलि व लड़कों में बीए तृतीय वर्ष के छात्र अनुज को बेस्ट वॉलिंटियर का खिताब मिला। इस मौके पर एनएसएस संयोजक सोनू रानी, प्रविन्द्र ढिल्लों, सोमवीर सिंह सहित अन्य भी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

झज्जर। वर्कशॉप में मौजूद मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी एवं चिकित्सक।

बच्चेदानी के मुंह के कैंसर की रोकथाम की दी जानकारी

झज्जर। क्षेत्र के गांव गिरावड़ स्थित वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज एंव हॉस्पिटल के स्त्री रोग विभाग द्वारा दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन बच्चेदानी के मुंह के कैंसर की रोकथाम की जानकारी दी गई। वर्कशॉप में मेडिकल कॉलेज के छात्राओं व वरिष्ठ डॉक्टरों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को भी इस जानलेवा बीमारी से कैसे बचा सकता है इस संबंध में जागरुक किया। उन्होंने बताया कि बच्चेदानी के मुंह के कैंसर की रोकथाम पूर्णतया संभव है। इसकी रोकथाम के लिए अब टीकाकरण भी उपलब्ध है। इस मौके पर संस्था के चेयरमैन डॉक्टर नरेंद्र सिंह ने जिले की महिलाओं से भी आह्वान किया कि वे मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध इस सुविधा का लाभ उठाएं।

पांच सौ विद्यार्थियों ने दी छात्रवृत्ति एवं प्रवेश परीक्षा

झज्जर। रविवार को एचआर ग्रीन फील्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्रवृत्ति एवं प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में आसपास व दूर-दराज के स्कूलों से लगभग पांच सौ विद्यार्थी परीक्षा में बैठे। परीक्षा के पश्चात विद्यार्थियों ने स्कूल का भ्रमण करते हुए शूटिंग रेंज, स्विमिंग पूल, स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, आधुनिक पुस्तकालय का अवलोकन किया तथा वहां लगाए झूलों का भी आनंद लिया। प्राचार्य एमएस गुलिया ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने नए सत्र से और नई सुविधाएं देने की बात कर परीक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा का परिणाम डिजिटल माध्यम से शीघ्र ही घर-घर पहुंचा दिया जाएगा।

झज्जर। छात्रवृत्ति एवं प्रवेश परीक्षा देते हुए विद्यार्थी।

755 छात्रों ने करवाया स्कॉलरशिप टेस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन

झज्जर। एलए स्कूल परिसर में स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। लिटिल एंजेल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को 755 विद्यार्थियों ने स्कॉलरशिप के लिए किया अपना रजिस्ट्रेशन कराते हुए आगामी कक्षाओं के लिए आवेदन दिया। स्कूल प्राचार्य निधि कादियान ने बताया कि इन विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर स्कॉलरशिप प्राप्त करने का काम किया। स्कूल मैनेजर केएम डागर, स्कूल एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव ने विद्यार्थियों को कक्षा अनुसार स्कॉलरशिप टेस्ट दिलाया। स्कूल संचालक जगपाल गलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप टेस्ट से संबंधित जानकारी दी। इस मौके पर भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, डीपीई अमित लोहचब, संजीत सांगवान, म्यूजिक टीचर जितेंद्र सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बैठक में रामनवमी के कार्यक्रम पर चर्चा

बहादुरगढ़। सनातन रक्षा दल की बैठक भगवान परशुराम मंदिर में हुई। बैठक में छह अप्रैल को रामनवमी पर होने वाले कार्यक्रम पर चर्चा हुई। रामनवमी पर शहर में शोभा यात्रा, कलश यात्रा व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर इस बैठक में जिम्मेदारियां सौंप दी गई। साथ ही निमंत्रण

बहादुरगढ़। बैठक में कार्यक्रम को लेकर चर्चा करते पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

देने व अतिथियों के चयन पर भी चर्चा हुई। अश्वनी कुमार बराही को संयोजक नीरज वत्स, राकेश शर्मा सह संयोजक, नगेंद्र लाकड़ा व विक्रम भारद्वाज के साथ ओवरऑल व्यवस्थापक बनाया गया है। शोभा यात्रा में भगवान राम भगवान परशुराम, महर्षि बाल्मीकि की झांकियां आकर्षण विशेष होंगी। वहीं 500 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा व ध्वज यात्रा होगी। यात्रा के बाद छोटूराम धर्मशाला में भंडारा होगा। बैठक में नगेंद्र लाकड़ा, नरेश राठी, राकेश शर्मा, अश्वनी भारद्वाज, नीरज वत्स, ऋषभ, अश्वनी कुमार बराही, विक्रम, अनिल खुराना, राजेश आर्या, डॉ. अजीत, विनोद, अजय आदि शामिल थे।

परीक्षा केंद्रों का डीसी और डीसीपी ने किया दौरा

झज्जर। डीसी और डीसीपी अधिकारियों के साथ

झज्जर। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। डीसी प्रदीप दहिया ने रविवार को डीसीपी लोगेश कुमार पी और सीटीएम रविंद्र मलिक के साथ जिले के संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केंद्र के बाहर और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का अंदर किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि न हो। उन्होंने कहा कि नकल करने, कराने और इसमें सहयोग देने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और परीक्षा केंद्रों पर तैनात सभी कर्मचारी ईमानदारी से अपना कार्य करें। डीसी ने ग्राम पंचायतों का भी आह्वान किया है कि अपने अपने गांव के परीक्षा केंद्रों पर नकल रहित परीक्षा आयोजित करने में प्रशासन के साथ भागीदार बनें। डीसीपी लोगेश कुमार पी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। जिले के संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

ग्राम प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

बहादुरगढ़। मांडोठी गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को ग्राम प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें विजया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्या रूपाक्षी नारंग ने बताया कि प्रतियोगिता के लेवल 1 में तुषार श्योराण ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 5100 रुपये का इनाम बहादुरगढ़। तुषार व जिया के जीता। लेवल 2 में जिया श्योराण ने द्वितीय स्थानसाथ रूपाक्षी नारंग। प्राप्त करते हुए 3100 रुपये का नकद पुरस्कार जीता। इन दोनों बच्चों को प्रधानाचार्य ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर बधाई दी। इस परीक्षा में लेवल वन में छठी सातवीं आठवीं कक्षा के लगभग 100 बच्चों और लेवल 2 में नौवीं दसवीं के लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया।

नंबरदार एसोसिएशन का पुर्नगठन आठ को

बहादुरगढ़। क्षेत्र के नंबरदारों की मीटिंग पूर्व मंत्री मांगेराम नंबरदार के पुत्र शतीश नंबरदार के कार्यालय पर हुई। मीटिंग में 8 मार्च को नई कार्यकारिणी बनाने के लिए होने वाली बैठक को लेकर विचार विमर्श किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता राज सिंह नंबरदार ने की। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को सुबह 10 बजे मीटिंग होगी। मीटिंग में कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में जयभगवान लडरावण, जोगेंद्र बराही, धर्म सिंह बालोर, सतबीर सिद्धीपुर, हुकम सिंह साखोल, दिनेश बराही, उमेद सिंह, राकेश बामड़ोली, राजीव बालोर, सुरेंद्र जाखोदा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव याकूबपुर के नजदीक एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को टक्कर मार कर घायल कर दिया। इस घटना में कार चालक अपनी कार को घटना स्थल पर छोड़ कर मौके से भाग निकला। पुलिस को दी शिकायत में देव कालोनी निवासी राजीव पंवार ने बताया कि शनिवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपने ममेरे भाई उखलचना कोट निवासी राहुल व उसके दोस्त कासनी निवासी नवदीप के साथ सौंधी गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे।

ट्रांसमिशन लाइन स्टोर से सामान चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव सुधराना स्थित एक ट्रांसमिशन लाइन स्टोर से सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में पश्चिम बंगाल के हिजुली गांव निवासी अब्दुल रज्जाक अंसारी ने बताया कि उसने गांव के साल्हावास रोड पर एक ट्रांसमिसन लाइन का स्टोर कर रखा है। बीती 19 फरवरी की रात स्टोर से एएलएसपी कंडक्टर चोरी हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार जांच शुरू कर दी है।

पटेल नगर से स्कूटी ले उड़े चोर

बहादुरगढ़। इलाके में दोपहिया वाहनों की चोरी नहीं थम रही। आए दिन वाहन चोरी हो रहे हैं। अब पटेल नगर में वारदात हो गई। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। सैनिक नगर के निवासी सुमित का कहना है कि वह शाम के वक्त पटेल नगर स्थित बाजार में सामान लेने गया था। स्कूटी एक दुकान के निकट खड़ी कर दी। कुछ देर बाद वापस आया तो नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। सेक्टर 6 थाना पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आभूषण व घरेलू सामान चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी की वारदात नहीं थम रही। अब गांव कुलासी में स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात निर्मला के मकान में हुई है। निर्मला का कहना है कि वह अपनी बेटी के पास गई हुई थी। इसी दौरान चोरों ने उसके मकान को निशाना बना लिया। जब वापस आई तो गेट पर लगे ताले टूटे हुए थे। अंदर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर चांदी की तागड़ी, सिलेंडर सहित अन्य सामान गायब था। उधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

नवीन राणा दूसरे व सेवाराम दौड़ में तीसरे नंबर पर रहे

21 दिन में 525 किलोमीटर दौड़कर सिकंदर बने ब्रह्मप्रकाश मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बीआरजी (बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप) द्वारा आयोजित /"जो जीता वही सिकंदर/" वर्चुअल रनिंग चैलेंज का चौथा संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। कुल 21 दिन तक प्रतिदिन 21 किलोमीटर से अधिक दौड़ वाली डायमंड कैटेगरी में ब्रह्मप्रकाश मान ने 525 किलोमीटर के साथ टाइटल जीता। नवीन राणा 505 किलोमीटर के साथ दूसरे व सेवाराम 467 किलोमीटर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। रविवार को सेक्टर-9 स्थित बीआरजी प्वाइंट पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

ग्रुप संयोजक दीपक छिल्लर ने बताया इस बार बहादुरगढ़ के साथ चंडीगढ़, द्वारका, रोहिणी, कोच्ची, प्रयागराज, चेन्नई सहित कई शहरों के धावकों ने इसमें भाग लिया। इस फिटनेस मिशन में 250 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। कर्नल कृष्ण बधवार, प्रवीन सांगवान, दीपक छिल्लर ने रोज सभी को प्रेरित किया। महिलाओं में पूनम ने 315, किरण नरूला ने 215 दौड़ लगाई। वहीं 50 प्लस आयु वर्ग में कर्नल कृष्ण बधवार, अजय कंडोल व जी मोहन क्रमशः टॉपर रहे।

बहादुरगढ़। ब्रह्मप्रकाश राणा को पुरस्कृत करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

किशोरों में हर्षित पंवार 138 किलोमीटर के साथ पहले, भोमिक दूसरे व रेयांश टाक तृतीय रहे। वहीं किशोरियों में संजू सैनी 126 किलोमीटर केसाथ पहले, आरिका बघेल दूसरे और अक्सायनी शर्मा तीसरे नंबर पर रही। नरेश कुमार शर्मा ने 65 वर्ष की आयु में रोज 5 किलोमीटर से अधिक दौड़ लगाई। सात वर्षीय रेयांश टाक 21 दिनों में कुल 45 किलोमीटर दौड़े।

रोज 15 किलोमीटर की सिंगल रन करने वाले अल्ट्रा-रनर्स गोल्ड कैटेगरी में सन्नी खोखर पहले, गुरदीप दूसरे व बादल तेवतिया तीसरे नंबर पर रहे। रजत कौशिक, भोज राज, अन्नू, सेवाराम, नवीन, नवनीत सिंह, अमरनाथ, माधवी, अजय, विनोद राठी, धर्मवीर, पूनम, सुनील बेनीवाल, भोमिक, विजय वरुण, किरण नरूला, लक्ष्मण, अमृत कौर, बनेश साहू, ब्रह्मप्रकाश, नीलम, राकेश, एनके नारा, श्याम, रेयांश, संजू सैनी, हर्षित, अक्षैनी, आर्ची, अनुराग, विजय, निरंजन, रविंद्र, सरनाम सिंह, रमेश शर्मा, पुष्कर निशांत, बानेश, हितेश अहलावत, बिजय, अजय धनखड़, अंगद, शिव वर्मा, जगदीश राठी, मनीष गोदारा व हंसराज ने लक्की ड्रा जीते।

बहादुरगढ़। प्रयोगशाला कार्यप्रणाली की बारीकियों समझती छात्राएं।

जीवविज्ञान प्रयोगशाला में प्राप्त किया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ के बीएससी के छात्रों को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड परियोजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय की मछली आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला-18 में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. शशि रापड़िया और सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें प्रयोगशाला कार्यप्रणाली की बारीकियों से अवगत कराया। बता दें कि प्रशिक्षण का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में कार्यरत प्रो. राम नेगी द्वारा किया गया। छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने, व्यावहारिक दक्षता विकसित करने और उनकी अनुसंधान क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. मोनिका ने छात्रों को मछली आणविक जीवविज्ञान से संबंधित नवीनतम तकनीकों और प्रयोगशाला प्रक्रियाओं से अवगत कराया। ताकि उनके पाठ्यक्रम की समझ अधिक गहरी हो सके। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल उनकी सैद्धांतिक समझ को मजबूत करेगा, बल्कि उन्हें भविष्य में शोध एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित करेगा। प्राचार्या सुमन हुड्डा ने कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रशिक्षण छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उनकी वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान क्षमता और नवीन कौशल विकास में भी सहायक होते हैं। इससे छात्र वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और नई खोजों की ओर प्रेरित होते हैं।

स्वयंसेविकाओं को योग के लाभ समझाए

जसोरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में लगा एनएसएस कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव जसोरखेड़ी में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में एनएसएस कैंप जारी है। कैंप के दूसरे दिन की शुरुआत छात्राओं ने प्रार्थना व एनएसएस गीत से की। रविवार सुबह के सत्र में योग आचार्य जगदीश सहवाग ने छात्राओं को योग के बारे में अहम जानकारी दी। उन्होंने कई योगासनों के अभ्यास कराए और उनके फायदे समझाए। उन्होंने कहा कि योग से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। वहीं, सायंकाल सत्र में डॉ. पूनम नागपाल ने छात्राओं को समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवी को जागरूक करने में अहम योगदान दे सकते हैं। एनएसएस प्रभारी डॉ. सुनैना ने कहा कि इस कैंप के दौरान छात्राएं गांव जसोरखेड़ी का दौरा करेंगी। इस दौरान गांव की समस्याओं को समझाने की कोशिश करते हुए भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनकर उन्हें दूर करने का भी प्रयास करेंगी। कैंप में ज्ञानवर्धक के साथ साथ मनोरंजक गतिविधियां भी हो रही हैं।

बहादुरगढ़। योगाचार्य व शिक्षकों के साथ स्वयंसेविका। फोटो : हरिभूमि

ट्रायल में कराटे खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- हैदराबाद में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए बहादुरगढ़ में हुआ ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सेक्टर-2 स्थित कराटे प्लेनेट में रविवार को यूनाइटेड कराटे एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया कराई गई। खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपना चयन सुनिश्चित कराया। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष भरत शर्मा ने मुख्य अथिति के रूप में शिरकत की। यूनाइटेड कराटे एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के अध्यक्ष रजनीश चौधरी ने बताया कि इस चयन प्रक्रिया का आयोजन अंडर-21 तथा सीनियर लड़के व लड़कियों के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ी हैदराबाद में प्रस्तावित राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अंडर-21 लड़कों के 50 किलोग्राम भारवर्ग में आशीष भारद्वाज, 55 में सत्यप्रकाश, 60 में ऋषभ राठी, 67 निखिल, 75 में आर्यन गजराज, 84 में कैलाश व 84 प्लस में रविंद्र ने पहला स्थान हासिल किया। लड़कियों के 50 केजी में मेयर शर्मा, 61 में पायल दलाल व 68 किलोग्राम में नियति ने पहला स्थान हासिल किया। सीनियर लड़कों के 50 केजी में सोहिल, 55 में सत्यप्रकाश, 60 में ऋषभ राठी, 67 में सचिन नाडिया, 75 में विक्रम सैनी, 84 में कैलाश व 84 प्लस में सुधीर सहरावत ने पहला स्थान हासिल किया। लड़कियों के 45 केजी में अनामिका, 50 में ऋतू सैनी, 55 में अलीशा, 61 में जैस्मिन, 68 में हेमा व 68 प्लस में गरिमा ने पहला स्थान पाया। वहीं अंडर 21 काता में मोहम्मद शाबिर व सीनियर काता में अर्जुन नाथ ने शीर्ष स्थान पाया। इस मौके पर यशपाल कलसी, सुमित छिल्लर, विकेश तंवर, इशांत राठी, राजू किडवाल, बलराम, सरजीत बिश्नोई, विजय, विकास पांचाल, अनिल श्योराण, कुलदीप चौधरी, सुरेश जून व जगदीश ने निर्णायक भूमिका निभाई।

बहादुरगढ़। अध्यक्ष भरत शर्मा और रजनीश चौधरी के साथ विजेता खिलाड़ी।

खाटू धाम के लिए चलायमान औषधालय रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पुराना औद्योगिक क्षेत्र स्थित नर सेवा नारायण सेवा संस्थान से श्याम भक्तों की निशुल्क उपचार सेवा करने के लिए चलायमान औषधालय को झंडी दिखाकर खाटू धाम रवाना किया। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि सच्चे मन से पूजा अर्चना करने वाले भक्तों के खाटू वाले श्याम सभी संकट क्षण भर में दूर कर देते हैं। संस्थान में पहुंचे मुख्य अतिथि भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी का संस्था के अध्यक्ष वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला व सेवादारों ने स्वागत किया व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। चलायमान औषधालय को खाटू धाम के लिए रवाना करते हुए नवीन बंटी ने कहा कि खाटू धाम पर लगने वाले मेले में देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु श्याम बाबा के दर्शन करने के लिए आते हैं। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला द्वारा रींगस में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर खाटू धाम आने वाले श्याम भक्तों की निशुल्क उपचार सेवा करना बहुत ही पुण्य का कार्य है। नवीन बंटी ने वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला द्वारा की जा रही चिकित्सा सेवा के कार्यों की सराहना की। वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला ने मुख्य अतिथि नवीन बंटी को बताया कि 2 से 9 मार्च तक खाटू धाम में कैंप लगाकर श्याम भक्तों की निशुल्क उपचार सेवा की जाएगी। इस अवसर पर आंनद रोहिल्ला, डॉ स्नेहप्रकाश, डॉ राहुल, अनिल, सुमित्रा, अंजना देवी, नीलम, संतराम बुपनिया, अनिता देवी, विनोद पोद्दार, रवि रोहिल्ला, रामनिवास, सुशील रोहिल्ला, अमरजीत कौर, सुनीता रानी, अशोक चोपड़ा व हरीश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। झंडी दिखाकर चलायमान औषधालय को खाटू रवाना करते नवीन बंटी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। यज्ञ में आहुति डालते सतीश शर्मा व समिति के पदाधिकारी।

हवन में आहुति डालकर सुख, शांति की कामना

बहादुरगढ़। गोधन सेवा समिति द्वारा संचालित नंदीशाला में रविवार को हवन कार्यक्रम हुआ। यज्ञ में आहुति डालकर लोगों ने सुख, समृद्धि की कामना की। इस दौरान शिक्षाविद सतीश शर्मा ने अपनी माता स्व. शीला देवी की याद में गोदान भी किया। सोनू बंसल ने हवन करवाया। यजमान सतीश शर्मा और रानी देवी ने कहा कि गोसेवा करना हम सब का कर्तव्य है। हमें गोशालाओं व जीव उपचार केंद्रों में आर्थिक सहयोग करना चाहिए। प्रधान रमेश राठी ने कहा कि गाय में सभी देवताओं का वास होता है और गाय का दान करने से हमारा कल्याण होता है। कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य यशपाल गांधी, कृष्ण चावला, तिलकराज जून, बिजेंद्र राठी, मनोज, कैलाश अत्री और पदम यादव सहित अन्य सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे।

- गाय में सभी देवताओं का वास होता है

बहादुरगढ़। दिनेश कौशिक को समस्या से अवगत करवाते ओमेक्स निवासी।

जलनिकासी की समस्या को लेकर कौशिक से मिले

मौके पर निरीक्षण करने का अश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पानी निकासी की समस्या को लेकर ओमेक्स निवासियों ने रविवार को भाजपा नेता दिनेश कौशिक से उनके सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर मुलाकात की। लोगों ने उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की। ओमेक्स निवासी सूरज, अमरदीप, नवीन व अन्य ने बताया कि गंदे पानी की निकासी के लिए 66 फुटा रोड पर नाला बनाया जा रहा है। मगर ठेकेदार ने नाले को पूरी तरह से कवर करवा दिया। जिससे उन्हें बरसाती सीजन में परेशानी उठानी पड़ सकती है। क्योंकि नाले में बारिश के पानी की निकासी के लिए कही से भी जगह नहीं छोड़ी गई है। पानी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण मार्ग पर पानी जमा हो जाएगा। जिसके चलते लोगों को आवागमन में परेशानी होगी। ऐसे में बारिश के पानी की निकासी के लिए जगह छुड़वाई जाए, ताकि लोगों को बारिश के मौसम में कोई परेशानी न हो। लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद दिनेश कौशिक ने संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार से बात कर लोगों की इस समस्या का समाधान करने को कहा। ताकि स्थानीय लोगों और राहगीरों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि वे स्वयं भी मौके का निरीक्षण करेंगे।

- लोगों ने समस्या से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की

बहादुरगढ़। गुरुग्राम में दौरा करते बादली कॉलेज के छात्र। फोटो : हरिभूमि

बादली के छात्रों ने किया गुरुग्राम का दौरा

बहादुरगढ़। बादली के चौधरी धीरपाल राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के एक दल ने शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य से आईबीएस गुरुग्राम का दौरा किया। संस्था द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। उन्हें व्यक्तित्व निखार तथा साक्षात्कार शिष्टाचार के बारे में बताया गया। कृत्रिम साक्षात्कार तथा व्यवहार कौशल विषयों पर आधारित कार्यक्रम हुआ। कुल 44 छात्र छात्राओं ने यह दौरा किया। महाविद्यालय के इस दल की अगुवाई डॉ पूनम ने की। उनके साथ असिस्टेंट प्रोफेसर संदीप, आरती व आशा भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। बीके मनोरमा दीदी को सर्टिफिकेट देते बीके डॉ. सुरेंद्र गोयल। फोटो : हरिभूमि

बीके मनोरमा हुई सम्मानित

बहादुरगढ़। ग्लोबल बुक ऑफ एक्सीलेंस इंग्लैंड के कॉर्डिनेटर बहादुरगढ़ निवासी बीके डॉ. सुरेंद्र गोयल द्वारा प्रयागराज महाकुंभ त्रिवेणी संगम की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके मनोरमा दीदी को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में 10 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारीज द्वारा स्वर्णिम भारत ज्ञानकुंभ का सफलतापूर्वक आयोजन के लिए राजयोगिनी बीके मनोरमा दीदी को ग्लोबल बुक ऑफ एक्सीलेंस द्वारा ऑनर सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

सीए निहेश जैन चुने गए प्रेजीडेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की शाखा के गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। नई नेतृत्व टीम में सीए निहेश जैन को प्रेजीडेंट चुना गया है। सीए मनन मलिक को उपाध्यक्ष, सीए सोनम मित्तल को सचिव, सीए योगेश कपूर को कोषाध्यक्ष, सीए महेश कुमार को खेल समिति और सीए खुशबू को सीपीई समिति के लिए चुना गया। नव-निर्वाचित अध्यक्ष सीए निहेश जैन ने सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने शाखा की पेशेवर शिक्षा, कौशल विकास और सीए छात्रों के लिए बेहतर अवसरों की पहल को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने और सभी हितधारकों के लिए सहयोगी वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बहादुरगढ़। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ संस्था के सदस्य।

अस्पताल में सीएम से सुविधाएं देने की मांग

बहादुरगढ़। शहर के नागरिक अस्पताल में स्वच्छ पेयजल, सफाई व्यवस्था, डॉक्टरों की नई भर्ती और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए यशपाल हिंदुस्तानी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को प्रार्थना पत्र सौपा। उन्होंने सीएम को बताया कि नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है। पीने के पानी व साफ सफाई का अभाव है। शौचालय का बुरा हाल है। अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ की भारी कमी के कारण मरीजों को सही इलाज नहीं मिल पा रहा है। नागरिक अस्पताल में एमआरआई, सीटी स्कैन आदि तकनीकी जांच उपलब्ध नहीं हैं। अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे करवाने के लिए लंबी लाइनें लगती हैं।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया

लंबित मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिले के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने रविवार को लघु सचिवालय परिसर में अपनी लंबित मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद ग्रामीण सफाई कर्मियों ने यूनियन की लंबित 16 सूत्रीय मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी डीआईओ अमित बंसल को सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता सुनील कुमार ने की जबकि संचालन जिला सचिव संदीप कुमार मारौत द्वारा किया गया। संदीप कुमार ने बताया कि हरियाणा में 18 वर्षों से लगे 11 हजार ग्रामीण सफाई कर्मी अभी तक पक्के नहीं हुए। वे जब तक पक्के नहीं होते तब सरकार उन्हें 26 हजार रुपये मानदेय दिया जाए। उन्होंने बताया कि नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। लेकिन उनके वेतन में महज एक हजार रुपये की वृद्धि की गई जो नाकाफी है। इसके अलावा उनकी मुख्य मांगों में एक हजार की जनसंख्या पर एक कर्मचारी लगाने, नए कर्मचारियों की भर्ती तुरंत प्रभाव से करने, सेवानिवृत होने पर 10 लाख रुपए राशि दिए जाने की मांग शामिल है। यूनियन नेताओं ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक से तीन मार्च तक वायदा पूरा करो प्रदर्शन तथा भाजपा विधायक व मंत्रियों को मांगो का ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि फिर भी सफाई कर्मियों की मांगों व समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आठ-नौ मार्च को सिरसा जिले में ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सम्मेलन करते हुए बड़े आंदोलन के रणनीति बनाएंगे, जिसकी जिम्मेदार खुद सरकार होगी। प्रदर्शन में मातनहेल ब्लॉक प्रधान रामभगत, झज्जर ब्लॉक प्रधान सुनील, बहादुरगढ़ ब्लॉक प्रधान ब्रह्मपाल, सीआईटीयू की जिला अध्यक्ष सरोज दुजाना सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। डीआईओ अमित बंसल को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि